सोमवार, 17 अगस्त, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

पडिक्कल का शतक देख गदगद हुए बैटिंग कोच, बोले- मेहनत का मिला शानदार फल

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

'आवारापन 2' और 'बंटवारा 1947' पर भारी पड़ी 'विश्वनाथ एंड सन्स', सूर्या की फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल

Page-05

ममता बनर्जी ने आशीष बनर्जी के निधन पर गहरा दुख जताते हुए उनके जनसेवा और राजनीतिक योगदान को याद किया। उन्होंने आरोप लगाया कि आखिरी दिनों में आशीष बनर्जी को झूठे आरोपों, मीडिया दबाव और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ा।

आशीष बनर्जी के निधन से ममता बनर्जी दुखी, बोलीं- आखिरी दिनों में झेला भारी मानसिक दबाव

- ममता ने आरोप लगाया कि आखिरी दिनों में आशीष बनर्जी मानसिक दबाव और लगातार लगाए जा रहे आरोपों से परेशान थे।ममता

- ममता ने आरोप लगाया कि आखिरी दिनों में आशीष बनर्जी मानसिक दबाव और लगातार लगाए जा रहे आरोपों से परेशान थे।

तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के पूर्व डिप्टी स्पीकर और पार्टी के वरिष्ठ नेता आशीष बनर्जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस दुखद खबर से वे बेहद आहत और व्यथित हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए ममता बनर्जी ने आशीष बनर्जी के लंबे राजनीतिक और सामाजिक जीवन को याद किया। उन्होंने कहा कि आशीष दा ने अपना पूरा जीवन शिक्षा, जनसेवा और समाज के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया था। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि अपने जीवन के अंतिम दिनों में आशीष बनर्जी को भारी मानसिक और भावनात्मक तनाव झेलना पड़ा। उन्होंने कहा कि उनके लंबे सार्वजनिक जीवन और निष्कलंक काम के बावजूद उन्हें बार-बार निशाना बनाया गया। ममता बनर्जी के मुताबिक, विरोधी दलों और मीडिया के एक वर्ग ने उन पर झूठे आरोप लगाकर उन्हें लगातार बदनाम करने और उन पर अनुचित दबाव बनाने की कोशिश की, जिससे वे काफी आहत थे। ममता बनर्जी ने आशीष बनर्जी के योगदान को याद करते हुए कहा कि रामपुरहाट से पांच बार विधायक और विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष के रूप में उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए दिन-रात काम किया। वे अपने सौम्य स्वभाव और आम जनता के साथ गहरे जुड़ाव के लिए जाने जाते थे। टीएमसी प्रमुख ने कहा कि राजनीति में बढ़ती कटुता और उसके मानवीय नुकसान पर हम सभी को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। ममता बनर्जी ने आशीष बनर्जी के शोकाकुल परिवार, उनके समर्थकों, करीबियों और पूर्व छात्रों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आशीष दा की कमी पार्टी और पूरे बीरभूम क्षेत्र को हमेशा महसूस होगी। आपको बता दें कि बीरभूम जिले में पार्टी कार्यालय के भीतर आशीष बनर्जी का शव फंदे से लटका मिला था, जिसके बाद से ही राज्य की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

UGC-NET में बड़ी गड़बड़ी!

3 विषयों की परीक्षा दोबारा कराने का फैसला

यूजीसी-नेट की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने अंग्रेजी, वाणिज्य और समाजशास्त्र विषयों की परीक्षा दोबारा कराने का फैसला किया है। एजेंसी ने माना है कि इन तीनों प्रश्नपत्रों में इतनी अधिक गलतियां और दोहराए गए सवाल थे कि केवल कुछ प्रश्न हटाकर समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता था। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के अनुसार, इन तीनों विषयों की नई परीक्षा 9 और 10 सितंबर को होगी। अंग्रेजी की परीक्षा 9 सितंबर को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक, जबकि वाणिज्य की परीक्षा उसी दिन दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित की जाएगी। समाजशास्त्र की परीक्षा 10 सितंबर को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी। अभ्यर्थियों से दोबारा परीक्षा के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। मौजूद जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने रविवार को यूजीसी-नेट के 87 में से 84 विषयों की अस्थायी उत्तर कुंजी जारी कर दी थी, लेकिन अंग्रेजी, वाणिज्य और समाजशास्त्र की उत्तर कुंजी रोक दी गई थी। यह फैसला जून में हुई परीक्षा के करीब सात सप्ताह बाद आया है। एजेंसी ने बताया कि अभ्यर्थियों से बड़ी संख्या में शिकायतें मिलने के बाद एक समिति बनाई गई थी। समिति की जांच में प्रश्नपत्रों में कई तरह की गंभीर गलतियां सामने आईं। इनमें तथ्य संबंधी गलतियां, छपाई की गलतियां, अनुवाद की त्रुटियां, नामों की गलत वर्तनी, पुस्तकों के बिगड़े हुए नाम, गलत तरीके से लिखे गए सवाल, व्याकरण और विराम चिह्नों की गलतियां तथा स्थापित अवधारणाओं के लिए गैर-मानक शब्दों का इस्तेमाल शामिल था।

प्रशांत किशोर ने मनोज तिवारी को घेरा,

बोले- गाना गाने पर ध्यान दें

जन सुराज पार्टी के संस्थापक और बांकीपुर विधानसभा सीट से नवनिर्वाचित विधायक प्रशांत किशोर और बीजेपी सांसद मनोज तिवारी के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। शिष्टाचार, सांस्कृतिक मूल्यों और अहंकार को लेकर मनोज तिवारी के बयान का जवाब देते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि उन्हें मनोज तिवारी से किसी भी प्रकार के राजनीतिक प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है। मनोज तिवारी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि मनोज तिवारी मूल रूप से एक गायक हैं और उन्हें अपना पूरा ध्यान गाना गाने पर लगाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि मनोज तिवारी को उस निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करना चाहिए जहां से वे बीजेपी के समर्थन से सांसद चुने गए थे और वहां के लोगों की भलाई के लिए काम करना चाहिए। प्रशांत किशोर कहा कि मनोज तिवारी को बिहार में अनावश्यक और आधारहीन राजनीति में शामिल होने से बचना चाहिए, क्योंकि राज्य के लोगों ने न तो उन्हें अतीत में स्वीकार किया है और न ही भविष्य में करेंगे। शनिवार को पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात करते हुए मनोज तिवारी ने बांकीपुर चुनाव नतीजों के बाद प्रशांत किशोर द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा पर आपत्ति जताई थी। मनोज तिवारी ने कहा था कि चुनाव जीतने के बाद जो व्यक्ति विनम्र रहता है, उसे संस्कारी माना जाता है, जबकि जीत के बाद अभद्र भाषा या अपशब्दों का इस्तेमाल करने वाले को अहंकारी समझा जाता है।

'दिमागी नक्सल' पर घमासान,

किरेन रिजिजू ने विपक्ष को दिया करारा जवाब

स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से पीएम नरेंद्र मोदी के दिमागी नक्सल वाले बयान के बाद से हंगामा मचा हुआ है। अब इस पूरे विवाद पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एंट्री ली है। उन्होंने पीएम के बयान की आलोचना कर रही विपक्षी पार्टियों को करारा जवाब दिया है। रिजिजू ने साफ किया कि पीएम मोदी ने विपक्षी नेताओं को नक्सली मानसिकता वाला नहीं कहा था, बल्कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। रिजिजू ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके बताया कि आखिर पीएम मोदी के दिमागी नक्सल कहने का सही मतलब क्या था। उनके मुताबिक, इस कैटेगरी में तीन तरह के लोग आते हैं, जो लोग माओवादियों का सपोर्ट करते हैं और भारत के संविधान को फॉलो करने से इनकार करते हैं। जो अलगाववादियों के साथ खड़े होते हैं और अनुच्छेद 370 की वापसी का समर्थन करते हैं। जो लोग नॉर्थ-ईस्ट को बाकी भारत से काटने के लिए चिकन नेक कॉरिडोर को बंद करने की वकालत करते हैं। दरअसल, पीएम मोदी ने 15 अगस्त को अपने भाषण में सुरक्षाकर्मियों के बलिदान को याद किया था और देश से नक्सलवाद को लगभग खत्म करने की बात कही थी। हालांकि, उन्होंने एक नई वॉर्निंग दी थी कि जंगलों में बंदूक उठाने वाले नक्सली तो अब खत्म हो रहे हैं, लेकिन शहरों और अलग-अलग हिस्सों में दिमागी नक्सली एक्टिव हैं। पीएम ने कहा था कि ऐसे लोगों की पहचान करके उन्हें अलग-थलग करना बहुत जरूरी है, ताकि देश के युवाओं को विकसित भारत के विजन से जोड़ा जा सके। पीएम मोदी के इस बयान के बाद से ही विपक्षी दल सरकार पर लगातार हमलावर थे और उनका आरोप था कि सरकार सवाल पूछने वाले युवाओं और विपक्ष को निशाना बना रही है। रिजिजू ने इन्हीं आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि पीएम मोदी का निशाना सिर्फ और सिर्फ देश विरोधी ताकतों पर था, किसी राजनीतिक दल पर नहीं।

कल्याणपुरी में MCD कर्मचारी की हत्या, वारदात के बाद आरोपी फरार

पूर्वी दिल्ली के कल्याणपुरी इलाके में शनिवार को ड्यूटी कर रहे दिल्ली नगर निगम के एक सफाई कर्मचारी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 27 वर्षीय अनिल कुमार के रूप में हुई है। अनिल सुबह के समय इलाके में अपनी नियमित सफाई की ड्यूटी पर तैनात थे, तभी अज्ञात हमलावर ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। घटना के बाद आरोपी तुरंत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आसपास के इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। अनिल की बहन सुनीता ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने बताया कि परिवार को शुरुआत में सिर्फ एक कॉल आया था, जिसमें अनिल के एक्सीडेंट होने की बात कही गई थी। लेकिन जब वे मौके पर पहुंचे, तो पता चला कि अनिल की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई है। परिजनों का कहना है कि अनिल बेहद कम उम्र के थे और चुपचाप ईमानदारी से अपना काम कर रहे थे। परिवार ने प्रशासन से मांग की है कि आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर सख्त से सख्त सजा दी जाए।

छात्रों के साथ खड़े राहुल गांधी,

बोले- हिंसा के खिलाफ लड़ने वालों का साहस काबिले-तारीफ

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि सरकार की हिंसा के खिलाफ मजबूती से खड़े रहने वाले भारत के युवाओं का साहस सराहनीय है। उन्होंने आगे कहा कि बदसलूकी, गाली-गलौज और हिंसा का सामना करने वाली छात्राओं की भी तारीफ होनी चाहिए। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर छात्रों से बातचीत का वीडियो भी शेयर किया। इन छात्रों ने पिछले महीने पेपर लीक के मुद्दे पर तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। राहुल और छात्रों के बीच यह बातचीत 5 अगस्त को हुई थी, लेकिन इसका वीडियो उन्होंने आज शेयर किया है। वीडियो में राहुल ने प्रदर्शनाकरियों से पूछ कि हैरेसमेंट तो नहीं हो रहा आप लोगों का? इसपर जवाब देते हुए एक महिला प्रदर्शनकारी ने कहा कि हां सर हो रहा है। रोज 10-12 गालिंया आ जाती हैं। वहीं, एक दूसरी प्रदर्शनकारी ने कहा कि सोशल मीडिया के जरिए लोग थ्रेट्स भेजते हैं। राहुल ने एक छात्रा से पूछा कि आप लोग प्रदर्शन में क्यों शामिल हुए? इस पर प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अगर हर कोई अपने इशू के लिए अलग-अलग आवाज उठाएगा तो कोई समाधान नहीं निकलेगा। हमें इन जनरल लोगों की समस्याओं को समझना होगा। इस साल ऐसे ही पेपर लीक हुआ। उत्तर प्रदेश में एजुकेशन सिस्टम के हालात बहुत खराब हैं। वहां सिर्फ मंदिर-मस्जिद ही मुद्दा है। उन्होंने आगे कहा कि 20 जुलाई को हम पर बुरी तरीके से लाठीचार्ज किया गया। एक महिला प्रदर्शनकारी ने यह भी कहा कि मुझे 7 लाठियां मारी गईं। पुलिस ने हमें देशद्रोही कहा। इसके बाद राहुल ने कहा कि बहुत से ऐसे लोग होते हैं जो अपने आस-पास गलत होते देखते हैं लेकिन आवाज नहीं उठाते हैं। मैं उसे राष्ट्रवाद नहीं मानता। मेरी नज़र में यह गलत है। जो आप लोगों ने किया वो हकीकत में राष्ट्रवाद है। दरअसल, 31 जुलाई की रात पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर कहा था कि जंतर-मंतर पर कुछ बच्चों ने मुझे और मेरी

मां को गालियां दीं। लेकिन मैं इन्हें माफ करना चाहता हूं। राहुल गांधी ने 5 अगस्त को दिल्ली में 10 जनपथ पर जंतर-मंतर प्रदर्शनकारियों के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने कहा कि 20 जुलाई को हुए कॉकरोच पार्टी के प्रदर्शन के दौरान स्टूडेंट पर लाठी-पैलेट गन से हमला किया गया।

इंडोनेशिया में 7.7 तीव्रता का भूकंप, 51 लोगों की मौत

भूकंप ने मचाई तबाही, 5 हजार लोग हुए बेघर

इंडोनेशिया के फ्लोरेस क्षेत्र में 7.7 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप से मृतकों की संख्या 51 हो गई है। 101 लोग घायल हुए हैं और करीब 5 हजार लोग विस्थापित हुए। भूकंप से 900 से अधिक मकान पूरी तरह तबाह हुए, जबकि 450 मकानों को नुकसान पहुंचा है। राहत और बचाव अभियान जारी है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पूर्वी इंडोनेशिया में एक दिन पहले आए 7.7 तीव्रता के भूकंप में मृतकों की संख्या रविवार को चार और शव बरामद होने के बाद बढ़कर 51 हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। भूकंप के कारण हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। अमेरिका भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, शक्तिशाली भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 5:58 बजे पूर्वी इंडोनेशिया के फ्लोरेस क्षेत्र में आया। भूकंप का केंद्र 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। अमेरिका भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि सुनामी की चेतावनी जारी होने के बाद लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए हालांकि बाद में यह चेतावनी वापस ले ली गई। इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, भूकंप के बाद कम से कम 235 झटके महसूस किए गए। रविवार को बचावकर्मी भूकंप के कारण हुए भूस्खलन के कारण मलबे में दबे लोगों की तलाश में जुटे रहे। यह अभियान फ्लोरेस के छह क्षेत्रों में चलाया गया। फ्लोरेस मुख्य रूप से कैथोलिक आबादी वाला द्वीप है और मुस्लिम बहुल इंडोनेशिया का हिस्सा है। बचावकर्मियों ने उन तीन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया, जहां भूकंप के बाद अब भी पहुंचना संभव नहीं हो पाया था। इनमें सबसे अधिक प्रभावित मंगराई, पूर्वी मंगराई और नागेकेओ जिले शामिल हैं। सिक्का की राजधानी मौमेरे में खोज एवं बचाव कार्यालय के प्रमुख फतहुर रहमान ने बताया, "हमने भूस्खलनों के कारण फैले ज्यादातर मलबे को हटा दिया है और पहले से अलग-थलग पड़े गांवों के लिए सड़कें फिर से खोल दी हैं। हालांकि, संचार व्यवस्था बाधित होने और बिजली कटौती के कारण तलाश अभियान में अब भी दिक्कतें आ रही हैं।" राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी के अनुसार, 101 लोग घायल हुए हैं, 900 से अधिक मकान पूरी तरह नष्ट हो गए, जबकि 450 अन्य मकानों को नुकसान पहुंचा है। एजेंसी ने बताया कि भूकंप के कारण करीब 5,000 लोगों को अस्थायी आश्रय स्थलों में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

हिमाचल में बारिश का कहर, 118 सड़कें बंद

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

हिमाचल प्रदेश में मूसलाधार बारिश के कारण पूरे राज्य में 118 सड़कें बंद कर दी गई हैं, जबकि स्थानीय मौसम कार्यालय ने सोमवार और मंगलवार को पांच जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। शनिवार शाम से कांगड़ा जिले के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश हुई है। धर्मशाला में 96.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि पालमपुर में 55 मिलीमीटर और कांगड़ा में 34.6 मिलीमीटर बारिश हुई। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, मंडी में 48, कुल्लू में 32, चंबा में 11, सिरमौर में आठ, शिमला में सात, कांगड़ा में छह, ऊना में चार और लाहौल-स्पीति में दो सड़कें बंद हैं। अधिकारियों ने बताया कि बारिश के कारण 216 जलापूर्ति योजनाएं और 19 बिजली ट्रांसफार्मर भी प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, राज्य में 30 जून को मानसून के आगमन के बाद से बारिश से जुड़ी घटनाओं में 79 लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमें भूस्खलन में 14 और अचानक आई बाढ़ में एक व्यक्ति की मौत शामिल है।

कावेरी जल विवाद पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

उच्चतम न्यायालय तमिलनाडु सरकार की उस याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा, जिसमें कर्नाटक सरकार को तमिलनाडु के हिस्से का कावेरी नदी का जल तत्काल छोड़ने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। उच्चतम न्यायालय की 17 अगस्त की वाद सूची के अनुसार, मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ करेगी। शीर्ष अदालत ने 12 अगस्त को कहा था कि इस मामले में तमिलनाडु सरकार और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सहित अन्य पक्षों की ओर से दायर याचिकाओं पर 17 अगस्त को सुनवाई की जाएगी। इससे पहले, तमिलनाडु सरकार ने कहा था कि बारिश की कमी वाले साल में राज्य को कावेरी नदी के पानी का अपना उचित हिस्सा नहीं मिल रहा है। जोसफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार ने तीन अगस्त को उच्चतम न्यायालय का रुख करते हुए कर्नाटक सरकार को तमिलनाडु के हिस्से का पानी तत्काल छोड़ने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। राज्य सरकार ने अपनी याचिका में दावा किया कि कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) द्वारा तमिलनाडु के लिए निर्धारित जल की मात्रा और पड़ोसी राज्य कर्नाटक द्वारा छोड़ा गया पानी, दोनों ही तय हिस्से से काफी कम हैं। तमिलनाडु सरकार ने कहा कि 28 जुलाई को सीडब्ल्यूआरसी की बैठक में कर्नाटक को 29 जुलाई से 15 दिन तक 3,500 क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्देश दिया गया था। उसने कहा कि हालांकि, 29 जुलाई से दो अगस्त के बीच बिलिगुंडलु में छोड़े गए पानी की मात्रा 158 से 550 क्यूसेक के बीच रही। तमिलनाडु सरकार की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि तीन अगस्त तक कर्नाटक में केआरएस, काबिनी, हरंगी और हेमावती जलाशयों में कुल मिलाकर 77.537 टीएमसी पानी उपलब्ध था। उसने कहा कि ऐसे में कर्नाटक को तमिलनाडु के हिस्से का पानी अनुपात के आधार पर छोड़ने में कोई कठिनाई नहीं होगी। इसमें कहा गया कि कर्नाटक में हाल में केआरएस और काबिनी बांधों के जलग्रहण क्षेत्रों में हुई बारिश के बाद, बिलिगुंडलु में छोड़े जाने वाले पानी का अनुपातिक हिस्सा 26.954 टीएमसी होना चाहिए।

जंगल में धधकी आग, 250 से ज्यादा रेस्क्यू कर्मी तैनात

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

बेल्जियम के सबसे बड़े वन क्षेत्र हाई फेंस में रविवार को लगी भीषण आग के कारण 27 वर्ग किलोमीटर से अधिक का इलाका जलकर खाक हो गया। देश के हालिया इतिहास की इस सबसे भयानक वनाग्नि के चलते आसपास के इलाकों से सैकड़ों लोगों को अपना घर छोड़कर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा है। जर्मनी की सीमा के करीब स्थित लीज प्रांत के वाइम्स और बूटगेनबाख नगरपालिकाओं में हवा का रुख बदलने और घना धुआं फैलने के बाद लगभग 600 निवासियों को 15 अगस्त को ही जगह खाली करने का निर्देश दिया गया था।अधिकारियों ने पर्यटकों को भी इलाका छोड़ने की सलाह दी है, जबकि विस्थापितों को ठहराने के लिए पास में एक व्यायामशाला को अस्थायी शिविर के रूप में खोला गया है। लीयैज प्रांत के गवर्नर हर्व जमार ने एक बयान में बताया कि 250 से अधिक आपातकालीन कर्मियों को तैनात किया गया है। इनमें बेल्जियम और जर्मनी के 100 से अधिक दमकल कर्मी, पुलिस, सेना के अधिकारी और नागरिक सुरक्षा बल के कर्मचारी शामिल हैं, जिन्हें अग्निशमन हेलीकॉप्टरों की मदद भी मिल रही है। यह भीषण आग हफ्तों तक पड़ी भीषण गर्मी और शुष्क मौसम के बाद लगी है।

भूकंप के बीच कोलंबिया की ट्रंप से गुहार, टैरिफ रोकने की मांग

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

कोलंबिया के नए राष्ट्रपति अबेलार्डो डे ला एस्प्रिएला ने शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत की। उन्होंने अमेरिका से कोलंबियाई उत्पादों पर लगाए गए अतिरिक्त टैरिफ को कुछ समय के लिए स्थगित करने की अपील की है। कोलंबिया इस समय हाल ही में आए विनाशकारी भूकंप के भारी प्रभाव से गुजर रहा है। जुलाई के अंत में कोलंबियाई सामानों पर अमेरिकी टैरिफ 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 12.5 प्रतिशत कर दिया गया था, हालांकि कॉफी और तेल जैसे मुख्य उत्पादों को इसमें छूट मिली हुई है। राष्ट्रपति डे ला एस्प्रिएला ने एक्स पर अपनी पोस्ट में बताया कि उनकी राष्ट्रपति ट्रंप से लगभग दस मिनट तक बात हुई। उन्होंने लिखा, "मैंने उनसे उन ऊंचे टैरिफ को कुछ समय के लिए रोकने पर विचार करने को कहा जो कोलंबियाई उत्पादों पर बुरा असर डाल रहे हैं। इससे हमारे उन कारोबारियों को बड़ी राहत मिलेगी जो भूकंप के कारण बेहद मुश्किल समय का सामना कर रहे हैं।" उन्होंने संकट की इस घड़ी में अमेरिका द्वारा भेजी गई आर्थिक मदद और बचाव दलों के सहयोग के लिए ट्रंप का धन्यवाद भी किया। कोलंबियाई राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि उनके सामने देश का पुनर्निर्माण करना एक बहुत बड़ी चुनौती है, क्योंकि उन्हें पहले से ही काफी खराब और विनाशकारी आर्थिक हालात विरासत में मिले हैं। इसके ऊपर से आए भूकंप ने देश की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी है। उन्होंने कहा कि इन विषम परिस्थितियों में कोलंबिया को फिर से खड़ा करने के लिए दोनों देशों का यह गठबंधन और सहयोग पहले से कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है। डे ला एस्प्रिएला ने दोनों नेताओं के बीच हुई इस वार्ता को बहुत दोस्ताना और सकारात्मक बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने भूकंप पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और प्रभावित परिवारों के साथ एकजुटता दिखाई। ट्रंप का व्यवहार काफी गर्मजोशी भरा रहा और उन्होंने कोलंबियाई लोगों के प्रति अपना स्नेह जताया। कोलंबिया के राष्ट्रपति ने अंत में देशवासियों को मजबूती से इस आपदा का मुकाबला करने का संदेश दिया।

संपादक की कलम से

किसी भी देश की वास्तविक शक्ति केवल उसकी विशाल जनसंख्या, भौगोलिक क्षेत्रफल या आर्थिक संसाधनों में नहीं, बल्कि इस बात में निहित होती है कि वह अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने में कितना सक्षम और आत्मविश्वासी है। भारत आज विकास के महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में आत्मनिर्भरता का विचार केवल आर्थिक नीति नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का व्यापक संकल्प बनकर सामने आया है। भारत के पास विशाल मानव संसाधन, कृषि क्षमता, प्राकृतिक संपदा और प्रतिभाशाली युवा शक्ति है। फिर भी लंबे समय तक अनेक क्षेत्रों में विदेशी वस्तुओं और तकनीकों पर निर्भरता बनी रही। वैश्विक संकटों ने यह स्पष्ट किया है कि अत्यधिक बाहरी निर्भरता किसी भी देश के लिए जोखिम पैदा कर सकती है। इसलिए आवश्यक है कि भारत अपनी उत्पादन क्षमता, तकनीकी दक्षता और स्थानीय उद्योगों को मजबूत करे। आत्मनिर्भरता का अर्थ यह कतई नहीं है कि भारत दुनिया से अलग हो जाए। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में पूर्ण अलगाव न तो संभव है और न ही उचित। वास्तविक आत्मनिर्भरता का अर्थ है—दुनिया के साथ व्यापार करते हुए अपनी आर्थिक और रणनीतिक क्षमता को इतना मजबूत बनाना कि आवश्यकता पड़ने पर देश अपने महत्वपूर्ण क्षेत्रों में दूसरों पर निर्भर न रहे। हमें 'स्थानीय के लिए आवाज' को केवल नारे तक सीमित रखने के बजाय गुणवत्तापूर्ण भारतीय उत्पादों और नवाचार को प्रोत्साहित करना होगा। इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका युवाओं की है। भारत की युवा आबादी देश की सबसे बड़ी शक्ति है। यदि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर मिलें, तो वे केवल नौकरी खोजने वाले नहीं, बल्कि रोजगार पैदा करने वाले भी बन सकते हैं। छोटे उद्योगों, स्टार्टअप और स्थानीय उद्यमों को प्रोत्साहन देकर देश की आर्थिक नींव को और मजबूत किया जा सकता है। हालाँकि आत्मनिर्भर भारत के मार्ग में अनेक चुनौतियाँ भी हैं। शिक्षा और कौशल की गुणवत्ता, बेरोजगारी, तकनीकी पिछड़ापन, असमान विकास और छोटे उद्योगों की कठिनाइयाँ अभी भी चिंता का विषय हैं। केवल योजनाएँ बनाना पर्याप्त नहीं; उनका पारदर्शी और प्रभावी क्रियान्वयन भी आवश्यक है। साथ ही, भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को वैश्विक स्तर तक पहुँचाना होगा।

वंदे मातरम पर सियासी घमासान, शाह के आरोपों पर कांग्रेस का पलटवार

कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने अमित शाह के वंदे मातरम विवाद पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को राष्ट्रगीत से कोई आपत्ति नहीं है और पार्टी कानून के अनुसार पूरे सम्मान के साथ इसका पालन करती है। उन्होंने शाह के आरोपों और माफी की मांग को हास्यास्पद बताया।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रगीत वंदे मातरम गाने को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा लगाए गए आरोपों पर राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने इस पर पलटवार करते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जो लोग आज कांग्रेस पर सवाल उठा रहे हैं, देश की आजादी की लड़ाई में उनका कोई योगदान नहीं था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जिनके मुख्यालय पर सालों तक तिरंगा नहीं फहराया गया, वे आज देशभक्ति का पाठ पढ़ा रहे हैं। इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह ने सोनिया गांधी और कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा था कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के इस अमर गान का सम्मान सोनिया गांधी को रास नहीं आ रहा है। शाह ने कहा कि देश की 140 करोड़ जनता यह सब देख रही है और इस तरह के आचरण को कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रगीत को बीच में रुकवाना या उसका अनादर करना एक ऐसा पाप है जिसे देश कभी स्वीकार नहीं करेगा। एनडीटीवी को दिए एक इंटरव्यू में, गृह मंत्री के दावों को खारिज करते हुए अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को वंदे मातरम से कोई समस्या नहीं हो सकती। उन्होंने स्पष्ट किया कि पहले कांग्रेस के कार्यक्रमों में वंदे मातरम के दो पैराग्राफ गाए जाने की परंपरा थी, लेकिन अब जब कानून बन गया है तो पार्टी पूरे राष्ट्रगीत का पूरी निष्ठा से सम्मान करती है। उन्होंने संसद के मानसून सत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि जब राज्यसभा में पूरा वंदे मातरम गाया गया, तब सोनिया गांधी समेत सभी कांग्रेस नेता इसमें सम्मानपूर्वक शामिल हुए थे। अमित शाह द्वारा माफी मांगने की मांग पर अखिलेश सिंह ने कहा कि इसमें किसी से माफी मांगने का सवाल ही नहीं उठता, यह बात पूरी तरह हास्यास्पद है। उन्होंने एक वाक्य का जिक्र करते हुए कहा कि सत्र खत्म होने के बाद उपराष्ट्रपति के साथ चाय पर मुलाकात के दौरान खुद सोनिया गांधी ने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की तारीफ की थी कि उन्हें पूरा वंदे मातरम याद है। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस पार्टी हमेशा देश के संविधान और कानूनों का सम्मान करती आई है और आगे भी करती रहेगी।

आशीष बनर्जी के निधन पर अभिषेक बनर्जी का दुख, मीडिया ट्रायल पर उठाए सवाल

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने पूर्व डिप्टी स्पीकर आशीष बनर्जी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने इस घटना को बेहद पीड़ादायक बताते हुए मीडिया ट्रायल और बिना पूरी सच्चाई सामने आए किसी व्यक्ति को सार्वजनिक रूप से दोषी ठहराने की प्रवृत्ति पर कड़ी आपत्ति जताई। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि आशीष बनर्जी का इस तरह चले जाना केवल उनके परिवार और करीबियों के लिए दुखद नहीं है, बल्कि यह उन सभी लोगों को सोचने पर मजबूर करता है जो राजनीति और पत्रकारिता में जवाबदेही तथा सीमाओं को जरूरी मानते हैं। अभिषेक बनर्जी के मुताबिक, आशीष बनर्जी के आखिरी नोट से संकेत मिलता है कि उनके खिलाफ लगातार एक बदनाम करने वाला अभियान चलाया जा रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि किसी व्यक्ति के खिलाफ लगाए गए आरोपों की पूरी तरह जांच किए बिना उन्हें बढ़ा-चढ़ाकर पेश करना और उसकी प्रतिष्ठा पर सवाल खड़े करना गंभीर समस्या है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को तथ्यों और कानूनी प्रक्रिया से पहले ही जन-अदालत में दोषी ठहरा देना उचित नहीं है। टीएमसी सांसद ने आशीष बनर्जी के सार्वजनिक जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने लंबे समय तक शिक्षक और जनसेवक के रूप में काम किया। उन्होंने बीरभूम के लोगों के बीच ईमानदारी, गरिमा और सादगी के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। अभिषेक ने कहा कि उनके योगदान और सार्वजनिक जीवन को केवल आरोपों और मीडिया कवरेज के आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है, लेकिन खबरों की प्रस्तुति के साथ जिम्मेदारी और तथ्यों की पुष्टि भी उतनी ही जरूरी है। किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा पर आरोपों के आधार पर फैसला सुना देना उसके परिवार और सामाजिक जीवन पर भी गंभीर प्रभाव डाल सकता है। अभिषेक बनर्जी ने आशीष बनर्जी के परिवार और समर्थकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुखद घटना से सभी को आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में किसी भी व्यक्ति के खिलाफ आरोपों को तथ्यों और उचित कानूनी प्रक्रिया के आधार पर ही देखा जाएगा।

'वंदे मातरम' विवाद पर अमित शाह का कांग्रेस पर तीखा हमला

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में आयोजित जनसभा में कांग्रेस पर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के अपमान का गंभीर आरोप लगाया। शाह ने दावा किया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रगीत का गायन किया जा रहा था, लेकिन इसे बीच में ही रोक दिया गया। उन्होंने इस घटनाक्रम को देश की भावनाओं से जुड़ा विषय बताते हुए कांग्रेस नेतृत्व पर तीखा निशाना साधा। अमित शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस मुख्यालय में 'वंदे मातरम' गाया जा रहा था और इसी दौरान कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने पार्टी अध्यक्ष से गीत को रोकने के लिए कहा। शाह ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम को देश की जनता ने टेलीविजन पर देखा। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि राष्ट्रगीत को अधूरा छोड़ना देश की भावनाओं का अपमान है। गृह मंत्री ने कहा कि 140 करोड़ देशवासियों के सामने हुई इस घटना को लेकर कांग्रेस को जवाब देना चाहिए। शाह ने कहा कि 'वंदे मातरम' भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है। इसके रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का उल्लेख करते हुए उन्होंने कांग्रेस से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। गृह मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय प्रतीकों और देश की भावनाओं से जुड़े विषयों के साथ किसी भी तरह की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती। अपने संबोधन में अमित शाह ने कांग्रेस की विचारधारा पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रभावना का सम्मान करना प्रत्येक राजनीतिक दल की जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को राष्ट्रगीत जैसे विषय पर भी राजनीति करने के बजाय देश की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। शाह ने कहा कि 'वंदे मातरम' केवल एक गीत नहीं, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान करोड़ों भारतीयों के भीतर देशभक्ति की भावना जगाने वाला प्रतीक रहा है।

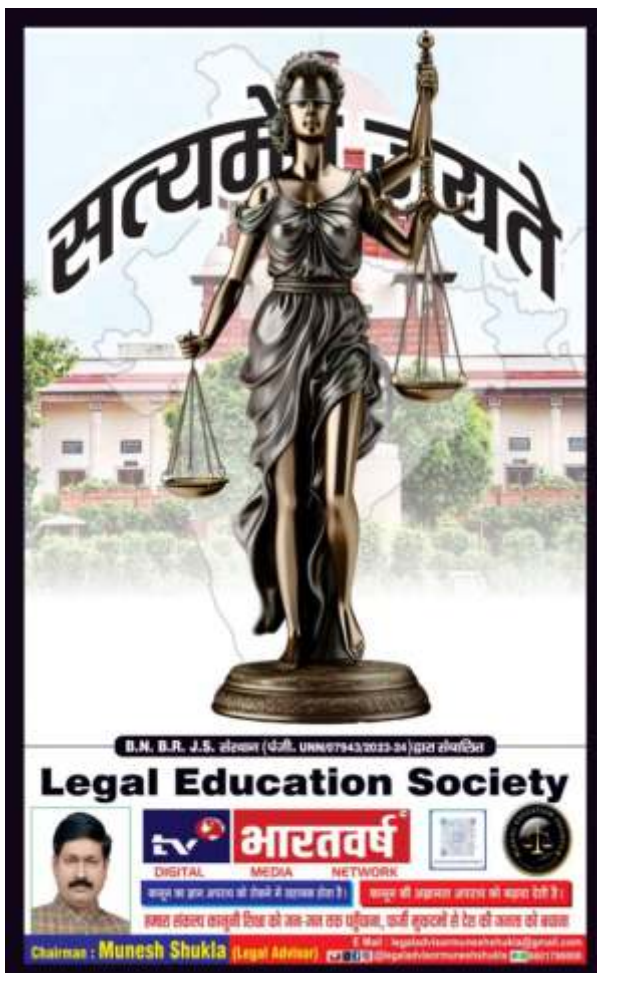

पेट्रोलियम निर्यात शुल्क में बड़ी राहत, ATF-डीजल पर लेवी घटी; पेट्रोल पर शुल्क खत्म

वैश्विक ऊर्जा बाजार में जारी अनिश्चितता और अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर लगने वाली लेवी में राहत दी है। सरकार ने विमानन टरबाइन ईंधन (ATF), पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर शुल्क में कटौती की है। नई दरें 15 अगस्त से प्रभावी हो गई हैं। हालांकि, घरेलू बाजार में इस्तेमाल होने वाले पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सरकार के नए फैसले के अनुसार, ATF के निर्यात पर लगने वाले विंडफॉल गेन्स टैक्स को 22 रुपये से घटाकर 19.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। यानी ATF पर निर्यात लेवी में 2.50 रुपये प्रति लीटर की कमी की गई है। यह कदम वैश्विक बाजार में कीमतों में बदलाव और घरेलू तेल कंपनियों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। डीजल के निर्यात पर कुल लेवी भी कम की गई है। इसे 25.50 रुपये से घटाकर 24 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। डीजल पर 24 रुपये प्रति लीटर का विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क यानी SAED पहले की तरह जारी रहेगा। वहीं, 1.50 रुपये प्रति लीटर का रोड एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सेस हटा दिया गया है। इससे डीजल निर्यातकों पर कुल शुल्क का बोझ कम हुआ है। पेट्रोल के निर्यात पर सरकार ने सबसे बड़ी राहत दी है। पेट्रोल पर लगने वाली 3.50 रुपये प्रति लीटर की लेवी को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। इससे विदेशों में पेट्रोलियम उत्पादों की बिक्री करने वाली कंपनियों को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, घरेलू उपभोक्ताओं के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर इस फैसले का तत्काल कोई सीधा असर नहीं पड़ा है। सरकार पेट्रोलियम उत्पादों पर लगने वाली इन निर्यात लेवी की समीक्षा हर 15 दिन में करती है। शुल्क तय करने के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के साथ-साथ पेट्रोल, डीजल और ATF की कीमतों के औसत को आधार बनाया जाता है। इससे पहले इन दरों की समीक्षा 3 अगस्त को की गई थी। नई दरों में बदलाव वैश्विक ऊर्जा बाजार की मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए किया गया है। दरअसल, सरकार ने वैश्विक ऊर्जा कीमतों में तेजी और बाजार में बढ़ती अनिश्चितता के बीच पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर शुल्क लगाया था। इसका प्रमुख उद्देश्य घरेलू बाजार में पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखना था। साथ ही, निर्यात को कम आकर्षक बनाकर कंपनियों को घरेलू बाजार में अधिक उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए प्रोत्साहित करना भी इसका उद्देश्य था। इस बीच भारत में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें फिलहाल स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये प्रति लीटर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल 103.50 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। प्रमुख महानगरों में डीजल की कीमत भी 100 रुपये प्रति लीटर से नीचे बनी हुई है। विंडफॉल टैक्स एक अतिरिक्त कर है, जो कंपनियों को अचानक और असाधारण रूप से होने वाले बड़े मुनाफे पर लगाया जाता है। आमतौर पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में अचानक बढ़ोतरी जैसे बाहरी कारणों से कंपनियों को होने वाले अतिरिक्त लाभ पर यह कर लगाया जाता है। सरकार इस टैक्स के जरिए ऐसे असाधारण मुनाफे का एक हिस्सा राजस्व के रूप में हासिल करती है।

यशस्वी जायसवाल की होगी छुट्टी? हार्दिक पंड्या से ट्रेड की खबर ने मचाई हलचल

राजस्थान रॉयल्स IPL 2027 से पहले भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल को रिलीज कर सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मुंबई इंडियंस के हार्दिक पंड्या के साथ उनका ट्रेड हो सकता है। खबर है कि राजस्थान का मैनेजमेंट जायसवाल के रवैये से खुश नहीं हैं। इसकी मुख्य वजह रियान पराग को उनसे पहले कप्तानी सौंपना बताई जा रही है। हालांकि फ्रेंचाइजी या खिलाड़ी की ओर से इस पर कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है। जायसवाल ने IPL 2026 के 16 मैचों में 427 रन बनाए थे। उन्होंने 30.50 के एवरेज और 152.50 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। वे सीजन में सिर्फ 3 फिफ्टी लगा सके। हालांकि पूरे सीजन में उनके ओपनिंग पार्टनर वैभव सूर्यवंशी स्पॉटलाइट में रहे। वैभव ने 16 मैचों में 237.30 की स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए। उन्होंने ऑरेंज कैप, सुपर सिक्सेस और सुपर स्ट्राइकर का खिताब जीता। राजस्थान रॉयल्स को फास्ट बॉलिंग ऑलराउंडर की जरूरत है। पिछले साल उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के साथ ट्रेड में संजू सैमसन के बदले सैम करन और रवींद्र जडेजा को टीम में शामिल किया था। हालांकि करन चोट की वजह से सीजन का एक भी मुकाबला नहीं खेल सके थे। हाल ही में रिपोर्ट आई थी कि भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक चेन्नई सुपर किंग्स की टीम में शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा राजस्थान रॉयल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स भी हार्दिक को अपनी टीम में शामिल करने के विकल्प पर विचार कर रही हैं। 2020 में मुंबई इंडियंस ने अपना आखिरी IPL टाइटल जीता था। तब से टीम फाइनल में नहीं पहुंची है। मुंबई ने IPL 2024 के लिए हार्दिक को गुजरात टाइटंस से ट्रेड के जरिए हासिल किया था। तब 5 बार टीम को IPL जीताने वाले रोहित शर्मा को कप्तानी से हटाकर हार्दिक को कैप्टेंसी दी गई थी।

श्रीलंका पर भारत का शिकंजा मजबूत, 460/9 के स्कोर पर पारी घोषित करने की तैयारी

चीन को रोककर भारत ने मचाया धमाल, हॉकी वर्ल्ड कप में 2-2 का ड्रॉ

FIH रैंकिंग में नंबर-9 की टीम इंडिया ने महिला हॉकी वर्ल्ड कप के पहले मैच में नंबर-4 रैंक चीन को 2-2 के ड्रॉ पर रोक लिया। टीम का अगला मैच साउथ अफ्रीका से होगा। वैगनर स्टेडियम में रविवार को 8वें मिनट में नवनीत कौर ने फील्ड गोल करके इंडिया को 1-0 की बढ़त दिलाई। 15वें मिनट में चीन को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। झांग यिंग ने पेनल्टी पर गोल स्कोर किया। 25वें मिनट में दीपिक ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारत को आगे कर दिया। 39वें मिनट में मा निंग ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर बराबर किया। आखिरी क्वार्टर में चीन ने दबाव बनाया, लेकिन भारत ने मजबूती से बचाव करते हुए मैच ड्रॉ कराया। भारत ने आक्रामक शुरुआत की और गेंद अपने पास रखकर चीन पर दबाव बनाया। सर्कल के अंदर फाउल के कारण उसे पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन नवनीत के शॉट को चीन की डिफेंस ने रोक लिया। 8वें मिनट में नेहा ने गेंद सर्कल में भेजी और नवनीत ने इसे गोल में पहुंचाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। चीन धीरे-धीरे मैच में लौटा और भारतीय सर्कल में मौके बनाने शुरू किए। 14वें मिनट में सर्कल के अंदर फाउल के लिए चीन को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। भारत ने इस फैसले के खिलाफ रेफरल लिया, लेकिन फायदा नहीं हुआ। यिंग झांग ने सविता को गलत दिशा में भेजते हुए पेनल्टी को गोल में बदल दिया और स्कोर 1-1 कर दिया। गोल खाने के बाद भी भारत ने संयम बनाए रखा और दूसरे क्वार्टर की शुरुआत मजबूत की। शिल्पी ने सर्कल के अंदर चीन के प्रयास को रोकने के लिए साहसिक डिफेंस किया। भारत चीन की डिफेंस में जगह बनाने में कामयाब रहा। नवनीत ने चीन की पहली डिफेंस लाइन के पीछे पहुंचकर एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया।

पडिक्कल का शतक देख गदगद हुए बैटिंग कोच, बोले- मेहनत का मिला शानदार फल

भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने शनिवार को देवदत्त पडिक्कल की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि बैकफुट के खेल और शॉट चयन पर काम करने से पडिक्कल को फायदा मिला। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले पडिक्कल ने शनिवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के शुरुआती दिन अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का शानदार पहला शतक जड़ा। उनकी नाबाद 131 रन की पारी की बदौलत भारत ने स्टंप तक दो विकेट पर 288 रन बना लिए। कोटक ने मौजूदा टेस्ट सीरीज के लिए 26 साल के पडिक्कल की तैयारी के बारे में बात करते हुए दिन के खेल के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, "मैं उसके लिए बहुत खुश हूं क्योंकि वह सही में अपने मौके का इंतजार कर रहा था। जिस तरह से उसने यहां और अभ्यास मैच में बल्लेबाजी की, यह शानदार है। " उन्होंने कहा, "तैयारी की बात करें तो देवदत्त जिस तरह से तैयारी कर रहा था, मैंने उसे एनसीए (बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) में देखा है। वह अपने बैकफुट गेम पर काम कर रहा था। जब हमें पिच से टर्न मिलने की उम्मीद होती है, तो हम इस पर काम करते हैं।" कोटक ने कहा, "हमने बैकफुट गेम के अलावा क्रीज से आगे निकलकर शॉट खेलने और स्वीप पर भी काम किया। इसलिए पिछले कुछ वर्षों में उसने जिस तरह खुद को तैयार किया है, उसका काफी श्रेय उसे जाता है।" पडिक्कल की बल्लेबाजी में यह बात साफ नजर आई। उन्होंने अधिकतर समय बैकफुट से बल्लेबाजी की और जब जरूरी लगा तो श्रीलंकाई स्पिनरों पर दबाव बनाने के लिए आगे निकलकर शॉट खेले। बाएं हाथ के स्पिनर प्रभात जयसूर्या की गेंद पर आगे निकलकर लॉन्ग-ऑन के ऊपर से लगाया गया उनका छक्का कोटक की बात को सही साबित करता है।

स्पेन ने रचा इतिहास, लगातार 21 T20I जीत के साथ बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

स्पेन की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार 21 जीत दर्ज कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। फिनलैंड को आठ विकेट से हराकर स्पेन ने यह खास उपलब्धि हासिल की। यह मुकाबला 2028 टी20 विश्व कप के लिए यूरोप उप-क्षेत्रीय क्वालीफायर सी में स्पेन का पहला मैच था। फिनलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 131 रन का लक्ष्य दिया था। स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए केवल दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया और लगातार जीत का सिलसिला 21 मुकाबलों तक पहुंचा दिया। मौजूद जानकारी के अनुसार, स्पेन की यह लगातार 21वीं टी20 अंतरराष्ट्रीय जीत है। उसका यह सिलसिला फरवरी 2023 में आइल ऑफ मैन के खिलाफ जीत से शुरू हुआ था। इसके बाद टीम ने जर्सी, क्रोएशिया, चेक गणराज्य, ग्रीस और फिनलैंड जैसी यूरोपीय टीमों को लगातार हराया है। साल 2025 का अंत भी स्पेन ने लगातार 20 जीत के साथ किया था और 2026 में अपने पहले ही आधिकारिक मुकाबले में जीत दर्ज कर नया रिकॉर्ड बना दिया। गौरतलब है कि इससे पहले पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार सबसे ज्यादा जीत का रिकॉर्ड भी स्पेन के ही नाम था। हालांकि अब उसने अपनी उपलब्धि को और आगे बढ़ा दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने 2003-04 के दौरान लगातार 20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले जीते थे। रिकी पोंटिंग की कप्तानी वाली उस टीम ने 2003 विश्व कप तक लगातार 17 एकदिवसीय मुकाबले जीते थे और इसके बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों में भी जीत हासिल की थी। स्पेन की क्रिकेट यात्रा को देखें तो यह टीम कुछ साल पहले तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ज्यादा चर्चा में नहीं थी। स्पेन को 1992 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की संबद्ध सदस्यता मिली थी और 2017 में उसे सहयोगी सदस्य का दर्जा मिला। 2019 में टी20 अंतरराष्ट्रीय दर्जा मिलने के बाद से उसने 50 मुकाबले खेले हैं, जिनमें 41 में जीत मिली और केवल आठ में हार का सामना करना पड़ा है।

पैरों के बालों पर छिड़ी बहस

जापान में ट्रेंड कर रहा 'लेग हेयर हैरेसमेंट'

जापान में भीषण गर्मी के बीच पुरुष कर्मचारियों को ऑफिस में शॉर्ट्स पहनने की परमिशन दी गई. इसके बाद कुछ महिलाओं ने पुरुषों के पैरों के बालों को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्ति जताई और इसे 'लेग हेयर हैरेसमेंट' का नाम दे दिया.

जापान में इन दिनों एक ऐसा मामला चर्चा में है, जिसे सुनकर शायद आप भी हैरान रह जाए. यहां न किसी बड़े कानून को लेकर विवाद है और न ही किसी नई तकनीक को लेकर, बल्कि बहस छिड़ी है पुरुषों के पैरों के बालों को लेकर. सोशल मीडिया पर लोग इसे 'लेग हेयर हैरेसमेंट' यानी 'पैरों के बालों से होने वाली परेशानी' कह रहे हैं. यह मामला अब पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गया है. जापान में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है. कई शहरों में तापमान 35 से 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है. ऐसे में लोगों को गर्मी से राहत देने और एयर कंडीशनर का कम इस्तेमाल करने के लिए टोक्यो प्रशासन ने कर्मचारियों को ऑफिस में हल्के और आरामदायक कपड़े पहनने की सलाह दी है. इसी अभियान के तहत पुरुष कर्मचारियों को पहली बार ऑफिस में शॉर्ट्स पहनकर आने की भी परमिशन दी गई. यह कदम कर्मचारियों को गर्मी से बचाने और बिजली की बचत करने के लिए उठाया गया है. यह पहल जापान के लंबे समय से चल रहे 'कूल बिज' अभियान का हिस्सा है. जैसे ही पुरुष शॉर्ट्स पहनकर ऑफिस आने लगे, सोशल मीडिया पर कुछ महिलाओं ने अपनी नाराजगी जाहिर करनी शुरू कर दी.

कुछ पुरुषों ने निकाला नया तरीका

इस बहस के बाद जापान में कुछ पुरुषों ने एक अलग रास्ता अपनाया. रिपोर्ट्स के मुताबिक, कई लोग लेजर हेयर रिमूवल कराने लगे हैं, ताकि अगर वे शॉर्ट्स पहने तो पैरों के बाल दिखाई न दें और किसी को आपत्ति न हो. इसे कुछ लोग ऑफिस एटीकेट यानी वर्क कल्चर हिस्सा भी मान रहे हैं. असल में यह विवाद सिर्फ पैरों के बालों का नहीं है.

पहले लिफ्ट देता, फिर सिर काट देता था किलर

ऑस्ट्रेलिया के सबसे खूंखार सीरियल किलर्स में गिने जाने वाले इवान मिलाट का नाम आज भी लोगों के रोंगटे खड़े कर देता है. वह पहले सड़क पर लिफ्ट मांग रहे युवाओं को अपनी कार में बैठाता था, फिर उन्हें जंगल में ले जाकर बेरहमी से मार डालता था. उसके कई शिकारों के सिर काट दिए गए, कई को गोली मारी गई और शवों को उथली कब्रों में दफना दिया गया. लेकिन एक शख्स की किस्मत अच्छी थी, जो उसके चंगुल से जिंदा बच निकला.

यूएई में बढ़ती गर्मी के बीच पुलिस का सख्त फैसला

कार में बच्चे को अकेला छोड़ा तो होगी जेल और भारी जुर्माना

संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई अपने कड़े नियमों के लिए जाना जाता है. अब यहां बढ़ती गर्मी को लेकर भी एक नियम लागू किया गया है, जो अन्य देशों में देखने को नहीं मिलता है. दरअसल, यहां की पुलिस बढ़ती गर्मी को लेकर सख्त हो गई है और अब पुलिस की ओर से उन लोगों पर कार्रवाई की जाएगी, जो इस भयानकर गर्मी में बच्चों के अकेले कार में छोड़कर कहीं चले जाते हैं. शारजाह, अजमान, फुजैराह में पुलिस ने बच्चों को खड़ी गाड़ियों के अंदर बिना निगरानी के छोड़ने पर कार्रवाई करने की बात कही है. लीज टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, अभी वहां पारा 45 डिग्री से 50 डिग्री तक पहुंचने का

अनुमान है. इसलिए अधिकारी इस मौसमी खतरे को लेकर सख्त रुख अपना रहे हैं. कानून प्रवर्तन एजेंसियां भीषण गर्मी से होने वाली दुर्घटनाओं और मौतों को रोकने के लिए गहन जागरूकता अभियान चला रही हैं. शारजाह पुलिस के यातायात के डायरेक्टर ब्रिगेडियर खालिद अल-काय ने इस बात पर जोर दिया .

वैज्ञानिकों ने बनाया फॉर्मूला, जो बताएगा प्रलय की तारीख!

इंसानों का कब धरती से होगा सफाया?

धरती पर इंसानों का अस्तित्व कब तक रहेगा? क्या कभी ऐसा दिन आएगा जब मानव सभ्यता पूरी तरह खत्म हो जाएगी? ये सवाल सदियों से लोगों को परेशान करते रहे हैं. समय-समय पर दुनिया के खत्म होने यानी प्रलय को लेकर कई भविष्यवाणियां भी सामने आती रही हैं. लेकिन अब कुछ वैज्ञानिकों ने एक ऐसा मैथमेटिकल फॉर्मूला पेश किया है, जो दावा करता है कि वह यह अनुमान लगा सकता है कि इंसान कब तक इस धरती पर रहेंगे. हालांकि यह कोई तय भविष्यवाणी नहीं है, लेकिन इस फॉर्मूले ने वैज्ञानिकों और आम लोगों के बीच बड़ी बहस छेड़ दी है. इसे 'डूम्सडे आर्ग्युमेंट' यानी प्रलय तर्क कहा जाता है.

इस सिद्धांत के पीछे वैज्ञानिकों का तर्क काफी दिलचस्प है. उनका अनुमान है कि मानव इतिहास में अब तक करीब 117 अरब लोग जन्म ले चुके हैं और इस धरती पर जीवन जी चुके हैं. वैज्ञानिकों का मानना है कि आज जीवित इंसान मानव इतिहास की टाइमलाइन में किसी खास या शुरुआती स्थान पर नहीं हैं, बल्कि बिल्कुल सामान्य और रैंडम जगह पर हैं. यहीं से गणित शुरू होता है. वैज्ञानिकों के मुताबिक अगर अब तक जन्मे 117 अरब लोग मानव इतिहास के कुल लोगों का सिर्फ 5 प्रतिशत हिस्सा हैं, तो 100 प्रतिशत संख्या इससे 20 गुना ज्यादा होगी. इसी आधार पर 117 अरब को 20 से गुणा किया गया. इससे आंकड़ा निकलकर करीब 2.34 ट्रिलियन यानी 2 लाख 34 हजार करोड़ लोगों तक पहुंचता है.

'आवारापन 2' और 'बंटवारा 1947' पर भारी पड़ी 'विश्वनाथ एंड सन्स', सूर्या की फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल

14 अगस्त को सिनेमाघरों में कई फिल्मों के बीच मुकाबला देखने को मिला। दर्शकों की नजरें जहां लंबे समय से इंतजार की जा रही 'आवारापन 2' और 'बंटवारा 1947' पर थीं, वहीं साउथ सुपरस्टार सूर्या की फिल्म 'विश्वनाथ एंड सन्स' ने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त शुरुआत कर सबको चौंका दिया। फिल्म ने शुरुआती दिनों में मजबूत कमाई करते हुए न सिर्फ अपनी पकड़ बनाई, बल्कि सूर्या के करियर का एक नया बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड भी कायम कर दिया। वेंकी अटुलरी के निर्देशन में बनी 'विश्वनाथ एंड सन्स' 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म ने पहले ही दिन 15.35 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इसके बाद दूसरे दिन फिल्म की कमाई में शानदार उछाल देखने को मिला और इसने 22.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। तीसरे दिन फिल्म ने 12.58 करोड़ रुपये की कमाई की। शुरुआती तीन दिनों के आंकड़ों ने साफ कर दिया कि दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर जबरदस्त उत्साह है। फिल्म की सबसे बड़ी उपलब्धि इसके वर्ल्डवाइड कलेक्शन से जुड़ी है। रिलीज के महज दो दिनों में 'विश्वनाथ एंड सन्स' ने 100 करोड़ रुपये के क्लब में एंट्री कर ली। इस उपलब्धि के साथ यह सूर्या के करियर की सबसे तेजी से 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली फिल्मों में शामिल हो गई है। फिल्म की इस सफलता ने सूर्या के स्टारडम को एक बार फिर साबित किया है और ट्रेड में भी इसके प्रदर्शन को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। फिल्म की कहानी भी इसे दूसरी फिल्मों से अलग बनाती है। इसमें सूर्या संजय विश्वनाथ नाम के किरदार में नजर आ रहे हैं। संजय एक प्रतिभाशाली और कॉम्पिटिटिव पिस्टल शूटर है, जिसने पेरिस 2024 ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया है। खेल की दुनिया में सफलता हासिल करने वाले संजय की जिंदगी तब पूरी तरह बदल जाती है, जब उनके इकलौते बेटे अभय को गंभीर बीमारी हो जाती है। बेटे की बीमारी संजय को भावनात्मक रूप से झकझोर देती है। वह अपने बच्चे को बचाने के लिए हर संभव कोशिश करता है। इसी दौरान उसकी मुलाकात बच्चे की सरोगेट मां मैडी से दोबारा होती है। इसके बाद

कहानी रिश्तों, भावनाओं, परिवार और संघर्ष के कई पहलुओं को सामने लाती है। फिल्म में स्पोर्ट्स और इमोशनल ड्रामा का मेल देखने को मिलता है। सूर्या के साथ फिल्म में ममिता बैजू अहम भूमिका में हैं। इसके अलावा राधिका सरथकुमार, रवीना टंडन, भवानी श्री, काली वेंकट और अनारकली मारीकर जैसे कलाकार भी फिल्म का हिस्सा हैं। बड़े कलाकारों की मौजूदगी और भावनात्मक कहानी ने फिल्म को लेकर

लखनऊ में देश की पहली नौसेना शौर्य वाटिका आम जनता के लिए खुली, 15 दिन फ्री एंट्री

लखनऊ में देश की पहली नौसेना शौर्य वाटिका आम जनता के लिए खोल दी गई है। यहां सेवामुक्त INS गोमती, मिसाइलें, विमान और युद्धक प्रणालियां प्रदर्शित हैं। 15 दिन प्रवेश मुफ्त रहेगा। इसके बाद बच्चों के लिए 25 और बड़ों के लिए 50 रुपये टिकट होगा।

लखनऊ में देश की पहली नौसेना शौर्य वाटिका 15 अगस्त को आमजनता के लिए खोल दी गई। इसमें अगले 15 दिन एंट्री फ्री है। इसके बाद बड़ों के लिए 50 रुपए और बच्चों के लिए 25 रुपए का टिकट लगेगा। यहां पर नौसेना से रिटायर्ड युद्धपोत INS गोमती रखा है तो समुद्री गश्ती विमान भी रखे हैं। नेवी की कई मिसाइलें भी हैं जिन्हें लोग देखने पहुंच रहे हैं। शौर्य वाटिका इकाना क्रिकेट स्टेडियम के गेट नंबर-5 के पास बनाई गई है। 30 मई 2026 को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस वाटिका का लोकार्पण किया था। यहां नेवी के जितने भी जहाज, मिसाइल और पोत रखे हैं, सब ओरिजिनल हैं। यही वजह है कि इन्हें देखते ही लोग इनके साथ सेल्फी ले रहे हैं सेवामुक्त युद्धपोत आईएनएस गोमती यहां आकर्षण का मुख्य केंद्र है। यह नौसैनिक पोत 28 मई, 2022 को सेवा से रिटायर हुआ था, और अब इसे भारत की समुद्री शक्ति के प्रतीक के रूप में वाटिका में स्थापित किया गया है। इस स्थल पर नौसेना के कई युद्धक सिस्टम और संरचनाएं भी प्रदर्शित की गई हैं, जिनमें जहाज का लंगर, AK-726 मध्यम-श्रेणी की तोप, CET-53M टॉरपीडो लॉन्चर सिस्टम, RJ के साथ ZIF-101 लॉन्चर, कैप्स्टन ड्रम, मुख्य मस्तूल और जहाज का प्रोपेलर शामिल हैं। नौसेना का शौर्य संग्रहालय 15 अगस्त से आम जनता के लिए खोल दिया गया है। शुरुआत के 2 सप्ताह तक लोगों को निशुल्क प्रवेश मिलेगा। इसके बाद 12 साल तक बच्चों के लिए 25 रुपए और इससे ज्यादा उम्र वालों के लिए 50 रुपए प्रति व्यक्ति टिकट लगेगा। संग्रहालय सुबह 10:00 बजे से लेकर रात 8:00 बजे तक खुला रहेगा। INS गोमती को 16 अप्रैल 1988 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था और 28 मई 2022 को सेवामुक्त किया गया। युद्धपोत का प्रतीक चिन्ह लखनऊ की ऐतिहासिक छतर मंजिल और गोमती नदी से प्रेरित है, जो शहर और नौसेना के बीच विशेष जुड़ाव को दर्शाता है। INS गोमती भारतीय नौसेना के शुरुआती स्वदेशी गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट्स में शामिल रही। यह अत्याधुनिक रडार, सेंसर, मिसाइल और तोप प्रणालियों से लैस थी। समुद्र में लंबी दूरी तक निगरानी, दुश्मन के जहाजों पर हमला और हवाई खतरों से रक्षा करने की क्षमता इसे विशेष बनाती थी। तीन दशकों से अधिक समय तक यह भारतीय नौसेना की पहली लाइन के युद्धपोतों में शामिल रही। म्यूजियम घूमने आए मंगलेश ने कहा कि वाटिका को केवल पर्यटन स्थल नहीं बल्कि सैन्य शिक्षा और प्रेरणा केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। यहां आने वाले छात्र और युवा भारतीय नौसेना के इतिहास, समुद्री सुरक्षा, आधुनिक हथियार प्रणालियों और सैनिकों के योगदान के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर, ब्रह्मोस मिसाइल परियोजना और आत्मनिर्भर भारत के रक्षा क्षेत्र में हो रहे कार्यों की जानकारी भी उपलब्ध होगी।

नकली पनीर-घी समेत एनालॉग डेयरी प्रोडक्ट पर लगी रोक

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने लोगों की सेहत को ध्यान में रखते हुए एक सख्त कदम उठाया है। सरकार ने एनालॉग डेयरी उत्पादों यानी नकली या मिलावटी डेयरी सामान की खरीद-बिक्री और निर्माण पर प्रदेश भर में पूरी तरह रोक लगा दी है। इसमें पनीर, घी, खोया, क्रीम और छेना जैसे आम इस्तेमाल वाले सामान शामिल हैं। सरकार का साफ आदेश है कि ऐसे उत्पादों का न तो उत्पादन होगा और न ही इन्हें बाजार में बेचा जाएगा। ये वे उत्पाद हैं जिन्हें असली दूध की जगह वनस्पति तेल, पामोलिन या अन्य रसायनों से बनाया जाता है और डेयरी प्रोडक्ट के नाम पर बेचा जाता है। इस फैसले के बाद डेयरी कारोबारियों में हलचल मच गई है। दरअसल पिछले दिनों प्रदेश के कई जिलों से नकली और मिलावटी पनीर-घी की शिकायतें लगातार आ रही थीं। खाद्य सुरक्षा विभाग ने इसकी जांच के लिए विशेष अभियान चलाया। 24 टीमों ने गाजियाबाद, मथुरा और सहारनपुर की कई इकाइयों का अचानक निरीक्षण किया। 25 इकाइयों पर कार्रवाई हुई। इनमें से कई जगह पनीर बनाने में औद्योगिक रसायन और रिफाइंड तेल का इस्तेमाल पाया गया। अस्वच्छ हालात में निर्माण भी पकड़ा गया। छह जगहों पर एफआईआर भी दर्ज की गई। जांच में 72 सैंपल लिए गए जो लैब में भेजे गए हैं। मानकों के खिलाफ बनी करीब 7686 किलो सामग्री नष्ट करवाई गई, जिसकी कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई गई। इसके अलावा 2131 किलो सामान और मिश्रण भी जब्त किया गया।

अखिलेश यादव का बीजेपी पर तीखा हमला, धार्मिक स्थलों से चोरी से लेकर पेट्रोल तक उठाए सवाल

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक जनसभा में बीजेपी सरकार पर कई मुद्दों को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने धार्मिक स्थलों से कथित चोरी, पेट्रोल की गुणवत्ता, बेरोजगारी, पुलिस व्यवस्था और जातीय जनगणना जैसे सवाल उठाते हुए सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े किए। अखिलेश ने कहा कि सामाजिक न्याय तभी मजबूत होगा, जब समाज में अलग-अलग वर्गों की वास्तविक हिस्सेदारी के आंकड़े सामने आएंगे। अपने संबोधन में अखिलेश यादव ने धार्मिक स्थलों से चोरी के मामलों को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो लोग 'रामराज' लाने की बात करते थे, उन्होंने 'राम धन' को भी नहीं छोड़ा। उनका आरोप था कि ऐसे मामलों में छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई कर सरकार अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करती है। अखिलेश ने इस दौरान मंदिरों के बाहर बैठे भिखारियों का उदाहरण भी दिया। उन्होंने कहा कि आर्थिक तंगी के बावजूद वे चोरी करने के बजाय मदद की उम्मीद में बैठे रहते हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि धार्मिक स्थलों से जुड़ी चोरी के मामलों में सामने आए तथ्यों ने कई सवाल खड़े किए हैं। अखिलेश यादव ने पेट्रोल की गुणवत्ता और E-20 ईंधन को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने पेट्रोल में मिलावट का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर ईंधन की गुणवत्ता को लेकर लोगों को नुकसान हो रहा है तो सरकार और संबंधित कंपनियों को इसका जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि वाहन जिस ईंधन पर बेहतर माइलेज और प्रदर्शन के लिए बनाए गए हैं, उसमें किसी तरह की गड़बड़ी आम लोगों की जेब पर असर डालती है। हालांकि, पेट्रोल में बड़े पैमाने पर मिलावट के उनके आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। अखिलेश यादव ने अपने PDA यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समीकरण का जिक्र करते हुए जातीय जनगणना की मांग को फिर प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय की नीतियां तभी प्रभावी तरीके से बनाई जा सकती हैं, जब समाज की अलग-अलग जातियों की वास्तविक संख्या और स्थिति का पता हो। उन्होंने संविधान और डॉ. भीमराव आंबेडकर के योगदान का जिक्र करते हुए कहा कि आरक्षण और संवैधानिक अधिकारों ने वंचित वर्गों को आगे बढ़ने का

तेज रफ्तार पिकअप ने बस में मारी टक्कर

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ से हरदोई की ओर जा रही एक निजी बस रविवार सुबह करीब 10:00 बजे रहीमाबाद के भतोइया गांव के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार महिंद्रा पिकअप वाहन ने बस को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बस दूसरी लेन पर जा पहुंची। इस हादसे में बस में सवार कई यात्री और चालक घायल हो गए। शुरुआती जानकारी के अनुसार, पिकअप को हरदोई निवासी विपिन चला रहा था। उसे झपकी आ जाने के कारण यह हादसा हुआ। घायलों में रहीमाबाद के जिंदौर निवासी बस चालक एराज, मलिहाबाद कस्बा निवासी बस कंडक्टर सुदामा, डाला चालक विपिन, उसके बेटे अजय और रामसहाय शामिल हैं। बस कंडक्टर सुदामा को ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल बस कंडक्टर सुदामा, डाला चालक विपिन और उनके दोनों बेटों को एंबुलेंस की मदद से मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। बस में सवार अन्य यात्रियों को हल्की चोटें आईं। बस में सवार बालामऊ निवासी मुन्ना गुप्ता ने बताया कि बस में करीब 25 लोग सवार थे और वे अपने गांव बालामऊ जा रहे थे। मिसरिख निवासी यात्री रामपति, जो अपने दो मासूम पोतों अंकित और आशु के साथ यात्रा कर रही थीं, उन्हें भी हल्की चोटें आईं। उन्होंने इस मंजर को डरावना बताया। एक अन्य यात्री राजपाल ने बताया कि उन्हें पता ही नहीं चला कि हादसा कब हो गया और वे बाल-बाल बच गए।

कांग्रेस मुख्यालय में 'वंदे मातरम्' पर विवाद, आचार्य प्रमोद ने खोला मोर्चा

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम के गायन को लेकर सियासी विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राष्ट्रगीत के पूर्ण संस्करण के गायन पर आपत्ति जताई। वहीं कांग्रेस ने इन आरोपों को गलत बताते हुए सफाई दी कि वंदे मातरम के गायन को रोकने की कोई कोशिश नहीं की गई थी। इस पूरे मामले में कांग्रेस के पूर्व नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने भी सोनिया गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम को लेकर आपत्ति जताना देश के शहीदों की शहादत का अपमान है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि सोनिया गांधी का जन्म विदेश में हुआ है लेकिन उनका विवाह भारत में हुआ है। वो भारत की बेटी नहीं हैं लेकिन भारत की बहू के रूप में उन्हें भारत की धरती ने बड़ा सम्मान दिया है। उन्होंने कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम के गायन को लेकर कहा कि इसे छोटा करना और इसे गाने पर बेचैनी दिखाना गलत है। कांग्रेस के दफ्तर में वंदे मातरम को शॉर्ट करना और वंदे मातरम गाए जाने पर बेचैनी होना यह बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद करीब 80 सालों में यह हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है कि लाल किले की प्राचीर से वंदे मातरम का उद्घोष हुआ।

अटल और अवंतीबाई को नमन, राष्ट्रसेवा और वीरता से प्रेरणा लेने का आह्वान

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

नवाबगंज में रविवार दोपहर पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि और वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सांसद साक्षी महाराज सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत दोनों महान विभूतियों के चित्रों पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, संघर्ष, राजनीतिक सफर और राष्ट्रसेवा को याद किया। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने अपनी विचारधारा, प्रभावशाली वक्तृत्व शैली और सहज व्यवहार के जरिए भारतीय राजनीति में अलग पहचान बनाई। उन्होंने लंबे राजनीतिक जीवन के दौरान लोकतांत्रिक मूल्यों और सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखी। वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में देश के विकास, आधारभूत ढांचे और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद उन्होंने अपने विरोधियों के प्रति सम्मान और संवाद की परंपरा को कायम रखा। उनकी कविताएं, भाषण और सार्वजनिक जीवन आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। कार्यक्रम में वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी के साहस और बलिदान को भी याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान रामगढ़ की रानी अवंतीबाई लोधी ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ अदम्य साहस के साथ संघर्ष किया। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में अपने नेतृत्व और वीरता का परिचय दिया तथा मातृभूमि की रक्षा के लिए अंग्रेजों के सामने आत्मसमर्पण नहीं किया। उनका त्याग, संघर्ष और राष्ट्रभक्ति भारतीय इतिहास में हमेशा स्मरणीय रहेगा। सांसद साक्षी महाराज ने दोनों विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने भारतीय राजनीति को नई दिशा देने का काम किया, जबकि वीरांगना अवंतीबाई लोधी ने देश की स्वतंत्रता और सम्मान के लिए असाधारण साहस दिखाया। उन्होंने कहा कि दोनों के जीवन में राष्ट्रहित सर्वोपरि रहा और उनकी विचारधारा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। सांसद ने युवाओं से अपील की कि वे देश के स्वतंत्रता संग्राम, लोकतांत्रिक इतिहास और महापुरुषों के योगदान को समझें तथा उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक को इसमें अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

उन्नाव में गंगा का जलस्तर बढ़ा, तटवर्ती इलाकों में बढ़ी बाढ़ की चिंता

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे तटवर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। हालांकि, रविवार को पिछले 24 घंटे में जलस्तर में दो सेंटीमीटर की मामूली गिरावट दर्ज की गई, फिर भी पानी चेतावनी बिंदु से ऊपर बना हुआ है। निचले इलाकों में बाढ़ का पानी पहुंचने से जनजीवन प्रभावित हो गया है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, मंगलवार शाम को गंगा का जलस्तर 112.08 मीटर था, जो बुधवार शाम को बढ़कर 112.13 मीटर हो गया। गुरुवार सुबह यह 112.160 मीटर और शुक्रवार सुबह 112.23 मीटर दर्ज किया गया। शनिवार सुबह तक जलस्तर में लगभग 15 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई थी। रविवार को 24 घंटे में दो सेंटीमीटर की गिरावट के बाद जलस्तर 112.280 मीटर रहा। गंगा का पानी बढ़ने से सैय्यद कंपाउंड, गोताखोर और कर्बला जैसे कई तटवर्ती मोहल्लों में लोगों के चबूतरों तक पहुंच गया है। निचले हिस्सों में गलियों और रास्तों पर पानी भरने के कारण पैदल आवागमन मुश्किल हो गया है। दोपहिया वाहनों से निकलना भी जोखिम भरा है। ऐसी स्थिति में, नाव लोगों के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने का प्रमुख साधन बन गई है। बच्चों और बुजुर्गों को जलभराव वाले रास्तों से निकालना परिवारों के लिए एक बड़ी चुनौती है। रोजमर्रा के काम से बाहर जाने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उन्हें दवा, खाद्य सामग्री और अन्य जरूरी सामान लेने के लिए पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है।

स्वतंत्रता दिवस पर वर्दी में दिखा जोश, उन्नाव पुलिसकर्मियों का डांस वीडियो वायरल

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उन्नाव पुलिसकर्मियों का एक अलग और उत्साह से भरा अंदाज सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। कोतवाली परिसर में ध्वजारोहण और अन्य कार्यक्रमों के बाद पुलिसकर्मियों ने देशभक्ति गीतों पर जमकर डांस किया। इस दौरान बनाए गए वीडियो में सिपाही सर्वेश और शादाब के डांस ने खासा ध्यान खींचा। वायरल वीडियो में पुलिसकर्मी फिल्म 'हिंदुस्तान की कसम' के लोकप्रिय देशभक्ति गीत 'जलवा तेरा जलवा' की धुन पर थिरकते नजर आ रहे हैं। जैसे ही गीत बजना शुरू हुआ, पुलिसकर्मियों में उत्साह देखने को मिला और कई जवान पूरे जोश के साथ डांस करने लगे। सिपाही सर्वेश और शादाब के डांस स्टेप्स देखकर वहां मौजूद अन्य पुलिसकर्मी भी उनका उत्साह बढ़ाते दिखाई दिए। वीडियो में पुलिसकर्मियों के बीच स्वतंत्रता दिवस को लेकर उत्साह और उमंग साफ दिखाई दे रही है। ड्यूटी के दौरान आमतौर पर गंभीर और अनुशासित नजर आने वाले पुलिसकर्मी इस वीडियो में बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आए। जवानों का यह मनोरंजक रूप लोगों को भी खूब पसंद आ रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद इसे अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जमकर साझा किया जा रहा है। कई यूजर्स पुलिसकर्मियों के उत्साह और देशभक्ति की भावना की सराहना कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि पुलिसकर्मी लगातार अपनी जिम्मेदारियों और ड्यूटी में व्यस्त रहते हैं, ऐसे में राष्ट्रीय पर्व पर उनका इस तरह उत्साह के साथ जश्न मनाना लोगों को आकर्षित कर रहा है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सामने आया यह वीडियो अब उन्नाव में चर्चा का विषय बना हुआ है। सिपाही सर्वेश और शादाब के डांस को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स की प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं। फिलहाल पुलिसकर्मियों का यह अंदाज लोगों के बीच खूब सुर्खियां बटोर रहा है।

उन्नाव में बदले तहसीलदारों के ठिकाने, सात अफसरों को मिली नई जिम्मेदारी

उन्नाव में राजस्व प्रशासन को सुव्यवस्थित करने के लिए जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने शनिवार रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया। राजस्व परिषद, उत्तर प्रदेश के निर्देशों के तहत जिले में तैनात सात नायब तहसीलदारों को पदोन्नति के बाद तहसीलदार पद पर नई जिम्मेदारियां दी गई हैं। सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नई तैनाती पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। इन अधिकारियों को शासन की ओर से दो दिन पहले ही नायब तहसीलदार से तहसीलदार पद पर पदोन्नत किया गया था। कार्यभार ग्रहण करने के बाद जिलाधिकारी ने उनकी नवीन तैनाती के आदेश जारी कर दिए। आदेश के मुताबिक नीरज चतुर्वेदी को नायब तहसीलदार पुरवा से पदोन्नत कर तहसीलदार पुरवा बनाया गया है। प्रीति सिंह को नायब तहसीलदार हसनगंज से तहसीलदार (न्यायिक) पुरवा की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं अशोक कुमार शुक्ला को नायब तहसीलदार बांगरमऊ से पदोन्नति के बाद तहसीलदार सफीपुर नियुक्त किया गया है। धीरज कुमार त्रिपाठी को नायब तहसीलदार सदर से तहसीलदार बीघापुर बनाया गया है। दीपक गौतम को नायब तहसीलदार हसनगंज से तहसीलदार (न्यायिक) बांगरमऊ की जिम्मेदारी मिली है। देवेंद्र यादव को नायब तहसीलदार सफीपुर से पदोन्नत कर तहसीलदार (न्यायिक) सदर के पद पर तैनात किया गया है। स्नेहा यादव को नायब तहसीलदार सीलिंग कलेक्ट्रेट से पदोन्नत कर तहसीलदार (न्यायिक) बीघापुर बनाया गया है। फेरबदल के दौरान कुछ अधिकारियों को फिलहाल प्रतीक्षारत रखा गया है। नायब तहसीलदार सर्वेक्षण एवं अभिलेख इकाई के मुकेश सिंह और प्रदीप कुमार निगम को रिक्त पद उपलब्ध नहीं होने के कारण संबंधित सर्वे कार्यालय में प्रतीक्षारत सूची में रखा गया है। सफीपुर की तहसीलदार सुरभि गौतम चिकित्सीय अवकाश पर हैं। इसके चलते उन्हें भी फिलहाल प्रतीक्षारत रखा गया है। जिलाधिकारी कार्यालय की ओर से जारी आदेश में सभी नवनियुक्त तहसीलदारों को अपनी नवीन तैनाती वाले पद पर तत्काल कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्नाव में 'वंदे मातरम्' पर सियासी संग्राम, युवाओं ने निकाला मशाल जुलूस

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में रविवार शाम करीब साढ़े पांच बजे युवाओं ने कांग्रेस के कथित अमर्यादित आचरण के विरोध में मशाल जुलूस निकाला। यह जन-आक्रोश प्रदर्शन शास्त्री पार्क से शुरू होकर बड़ा चौराहा तक गया, जहां 'वंदे मातरम्' के कथित अपमान पर मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। प्रदर्शन के दौरान युवाओं के हाथों में विभिन्न स्लोगन लिखी तख्तियां थीं। इन पर 'वंदे मातरम् का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान', 'हमारी आन, बान और शान' और 'कांग्रेस के अमर्यादित आचरण के विरुद्ध जन-आक्रोश प्रदर्शन' जैसे नारे लिखे थे। प्रदर्शनकारियों ने वंदे मातरम् के समर्थन में भी नारे लगाए। शास्त्री पार्क से शुरू हुआ यह जुलूस जैसे-जैसे बड़ा चौराहा की ओर बढ़ा, कार्यकर्ताओं और समर्थकों की संख्या बढ़ती गई। प्रदर्शनकारियों ने कांग्रेस के खिलाफ अपना आक्रोश जताते हुए नारेबाजी की, जिससे पूरा क्षेत्र राष्ट्रभक्ति से जुड़े नारों से गूंज उठा। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। जुलूस के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था रोकने के लिए पुलिस बल तैनात रहा। सीओ बीघापुर मधुपनाथ मिश्रा, सीओ सिटी विनी सिंह और सिटी मजिस्ट्रेट मनोज सिंह मौके पर मौजूद रहे। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की और यातायात व कानून-व्यवस्था पर भी नजर बनाए रखी। पुलिसकर्मी प्रदर्शनकारियों के साथ शांतिपूर्ण कार्यक्रम सुनिश्चित करने के लिए आगे बढ़ते रहे।

उन्नाव में बदला मौसम का मिजाज, तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में रविवार सुबह अचानक मौसम बदल गया। जिले के शुक्लागंज और बांगरमऊ समेत कई इलाकों में सुबह करीब पौने आठ बजे तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। इस अचानक हुई बारिश से सड़कों पर कुछ देर के लिए आवाजाही प्रभावित हुई, लेकिन भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को बड़ी राहत मिली। पिछले कई दिनों से उन्नाव में तेज धूप और उमस के कारण लोग बेहाल थे। रविवार को हुई बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे मौसम में ठंडक घुल गई और वातावरण सुहाना हो गया। बारिश शुरू होते ही लोगों ने गर्मी से राहत महसूस की। कई स्थानों पर लोग घरों की छतों और दुकानों के बाहर खड़े होकर बारिश का आनंद लेते दिखे। बारिश का असर सुबह के समय सड़कों पर भी दिखाई दिया। जरूरी काम से निकले लोगों और दफ्तर जाने वालों को बारिश के बीच ही अपना रास्ता तय करना पड़ा। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा। कई लोग बारिश से बचने के लिए दुकानों और अन्य सुरक्षित स्थानों पर रुक गए, जिससे कुछ देर के लिए बाजारों और प्रमुख मार्गों पर सामान्य आवाजाही बाधित रही। यह बारिश किसानों के लिए भी राहत लेकर आई है। खेतों में खड़ी फसलों को इससे फायदा मिलने की उम्मीद है, खासकर धान की फसल के लिए यह पानी उपयोगी माना जा रहा है। खेतों में पर्याप्त नमी पहुंचने से फसलों की बढ़वार में मदद मिलेगी। किसानों का कहना है कि समय पर हुई इस बारिश से सिंचाई की आवश्यकता कम होगी, जिससे डीजल और बिजली पर होने वाला खर्च भी बच सकता है। तेज हवाओं और बारिश के बावजूद, जिले में किसी बड़े नुकसान की कोई सूचना सामने नहीं आई है। हालांकि मौसम के अचानक बदले मिजाज को देखते हुए लोगों में आगे भी बारिश होने की उम्मीद बनी हुई है। रविवार सुबह हुई बारिश ने जहां लोगों को गर्मी और उमस से राहत दी, वहीं किसानों के चेहरों पर भी खुशी दिखाई दी। मौसम में आए बदलाव से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लोगों ने राहत की सांस ली।

टर्मिनल भवन के पास फायरिंग से अफरा-तफरी, महिला के पैर और व्यक्ति के अंगूठे में लगी गोली

वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान एक यात्री की लाइसेंसी पिस्टल से अचानक गोली चल गई। गोली लगने से दो लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। CISF ने यात्री को हिरासत में लिया, जबकि पुलिस और खुफिया एजेंसियां पूछताछ कर रही हैं।

वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर टर्मिनल भवन में सुरक्षा जांच के दौरान एक यात्री के लाइसेंस से असलहे से गोली चल गई। बताया जा रहा है कि गोली दो लोगों को लगी है, जिसमें दोनों घायल हुए हैं। वहीं, गोली चलने की आवाज सुनने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने कमान संभाली और घायल दोनों लोगों को बड़ागांव के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि एक के पैर में जबकि दूसरे के हाथ में गोली लगी है। एयरपोर्ट परिसर में गोली चलने के बाद अफरा तफरी का माहौल कायम हो गया। बताया जा रहा है कि एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट संख्या ।X1810 से वाराणसी से मुंबई की यात्रा करने के लिए आजमगढ़ के रहने वाले कमलेश राय अपनी पत्नी के साथ एयरपोर्ट पहुंचे थे। पुलिस ने बताया है कि यात्री अपने साथ लाइसेंसी पिस्टल भी लेकर एयरपोर्ट आए थे। टर्मिनल भवन के पास चेकिंग के दौरान लाइसेंसी पिस्टल की जांच व राउंड की काउंटिंग के जाने के दौरान अचानक पिस्टल से फायर हो गया। पुलिस उपायुक्त नीतू कादयान ने बताया है कि पिस्टल से फायर होने के बाद गोली एक महिला के पैर तथा पास ही खड़े एक व्यक्ति के अंगूठे में लग गई, जिससे दोनों घायल हो गए। उन्होंने बताया कि दोनों घायलों को उपचार के लिए बड़ागांव थाना क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फायरिंग की जानकारी होने के बाद सीआईएसएफ कर्मियों ने भी मोर्चा संभाल लिया और यात्री को हिरासत में ले लिया। उन्होंने बताया है कि फिलहाल दोनों यात्रियों की स्थिति खतरे के बाहर है। पुलिस के मुताबिक, घटना की जानकारी होने के बाद वरिष्ठ अधिकारी और खुफिया एजेंसियां भी मौके पर पहुंची। इस दौरान यात्री से पूछताछ करने में एजेंसियां जुटी हुई हैं। एयरपोर्ट निदेशक पुनीत गुप्ता ने बताया कि गोली लगने से एयरपोर्ट पर दो कर्मचारी घायल हुए हैं। इस पूरे मामले की जानकारी फूलपुर पुलिस को दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस आरोपी यात्री से पूछताछ में जुटी हुई है। उन्होंने बताया कि एयरपोर्ट परिसर में किसी भी प्रकार से कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि यह घटना एयरपोर्ट परिसर के अंदर टर्मिनल भवन के पास हुई।

बिजनौर में बेटे पर बाघ का हमला, डंडा लेकर 5 मिनट तक भिड़ा पिता

बिजनौर के मंडावली थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब जंगल के पास गाय-भैंस चराने गए एक पशुपालक पर अचानक बाघ ने हमला कर दिया। बेटे को बाघ के चंगुल में फंसा देखकर पिता ने अपनी जान की परवाह किए बिना उसका सामना किया। हाथ में डंडा लेकर पिता करीब पांच मिनट तक बाघ के सामने डटा रहा। घटना सहानपुर रेंज के मोथला उर्फ नीम वाली वन क्षेत्र की बताई जा रही है। यहां रहने वाले पशुपालक रफी (33) शनिवार सुबह करीब 8 बजे गाय-भैंस चराने के लिए जंगल की ओर गए थे। इसी दौरान घात लगाए बैठे बाघ ने उन पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से रफी घबरा गए और मदद के लिए जोर-जोर से चिल्लाने लगे।रफी की आवाज सुनकर पास स्थित डेरे में मौजूद उनके पिता गुलाम नबी तुरंत मौके की ओर दौड़े। वहां पहुंचने पर उन्होंने देखा कि बाघ उनके बेटे पर हमला कर रहा है। बेटे को बचाने के लिए गुलाम नबी ने बिना देर किए हाथ में डंडा उठाया और बाघ का सामना करने लगे।बाघ लगातार तेज आवाज में गुर्रा रहा था, लेकिन गुलाम नबी के कदम पीछे नहीं हटे। उन्होंने डंडे से बाघ को पीटना शुरू कर दिया। बताया गया कि पिता करीब पांच मिनट तक बाघ से संघर्ष करते रहे। इस दौरान उन्होंने लगातार डंडे से वार किया, जिसके बाद बाघ पीछे हटने लगा। लगातार प्रतिरोध और डंडे से पिटाई के बाद बाघ वहां से जंगल की ओर भाग गया। बाघ के हटने के बाद घायल रफी को उसके पिता ने संभाला। हमले में रफी के हाथ और शरीर के अन्य हिस्सों पर पंजों के निशान आए हैं। चोट लगने से उसके शरीर से खून भी निकल रहा था।

महराजगंज के जवाहर नवोदय विद्यालय में में मिला मरा हुआ मेंढक, मचा हड़कंप

रविवार सुबह महराजगंज के जवाहर नवोदय विद्यालय में बच्चों को परोसे गए खाने में मरा हुआ मेंढक मिलने से हड़कंप मच गया। कक्षा 9 के एक छात्र की थाली में दाल के साथ मेंढक दिखाई दिया। इसे देखते ही छात्र घबरा गया और आसपास बैठे बच्चों को जानकारी दी। दाल में मेढ़क देख और छात्र भी सकते में आ गए और खाना छोड़ दिए। भोजन की साफ-सफाई को लेकर नाराज छात्रों ने हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर स्कूल प्रशासन मौके पर पहुंचा और बच्चों को समझाकर शांत कराया। कुछ ही देर में अभिवावकों तक भी सूचना पहुंच गई और वे भी स्कूल प्रबंधन की लापरवाही पर नाराजगी जताए। जानकारी के मुताबिक नवोदय स्कूल में कक्षा 6 से 12 तक करीब सौ बच्चे आवासीय रूप से पढ़ते हैं। बच्चों के लिए सुबह का भोजन तैयार किया जाता है। सुबह करीब 9 बजे नाश्ते के बाद छात्रों को दाल, चावल और सब्जी परोसी गई थी। इसी दौरान कक्षा 9 के एक छात्र की थाली में दाल के अंदर मरा हुआ मेंढक दिखाई दिया। यह देख छात्र घबरा गया और उसने शोर मचा दिया। पास बैठे दूसरे छात्रों ने भी अपनी थालियां देखनी शुरू कर दीं। इसके बाद बच्चों ने खाना खाने से इनकार कर दिया और हंगामा शुरू कर दिया। छात्रों के हंगामे की जानकारी मिलते ही विद्यालय के उप प्रधानाचार्य दीपक कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने बच्चों से पूरे मामले की जानकारी ली और उन्हें समझाकर शांत कराया। स्कूल प्रशासन ने बच्चों के स्वास्थ्य की भी जांच कराई। दीपक कुमार ने बताया कि बच्चों के भोजन में दाल, चावल और सब्जी बनी थी। एक छात्र की थाली में मेंढक मिलने की शिकायत सामने आई है। मामले की जांच कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर जांच में किसी की लापरवाही सामने आती है तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उनके मुताबिक, सभी बच्चे फिलहाल स्वस्थ हैं।

बृजभूषण शरण सिंह की फिर लोकसभा जाने की इच्छा, बोले- पार्टी जहां टिकट देगी, लड़ूंगा

बीजेपी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने एक बार फिर लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। एक न्यूज एजेंसी से बातचीत में उन्होंने कहा कि वह लोकसभा से बेइज्जत होकर लौटे थे। तब से सदन नहीं गए। अब उनकी इच्छा है कि वह एक बार फिर लोकसभा जाएं। और लोकतंत्र के मंदिर को प्रणाम करें। कहा कि पार्टी जहां से टिकट देगी। वह वहां से चुनाव लड़ने को तैयार हैं। बीजेपी के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी इच्छा एक बार फिर लोकसभा जाने की है। इसके लिए वह पूर्वांचल की किसी भी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने को तैयार हैं। सीट उनके लिए मायने नहीं रखती। पार्टी जिस सीट से चुनाव लड़ाएगी। वह वहां से चुनाव लड़ेंगे। न्यूज एजेंसी से बातचीत में बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि वह लोकसभा से एक तरह से

बेइज्जत होकर आए थे। इसके बाद से वह आज तक लोकसभा नहीं गए। कहा कि अब उनकी इच्छा है कि वह चाहे एक दिन के लिए ही सही, लेकिन लोकसभा जरूर जाएं। इसके बाद अगर जरूरत पड़े तो इस्तीफा भी दे सकते हैं। लोकसभा को लोकतंत्र का मंदिर बताते हुए कहा कि वह इस मंदिर से बेइज्जत होकर आए थे। अब उनकी इच्छा है कि एक बार फिर वहां जाकर लोकतंत्र के मंदिर को प्रणाम करें।